ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर, गुरूवार 17 सितम्बर 2026

वर्ष 3 अंक 143

पृष्ठ 4

पहाड़ों पर सीजन की पहली बर्फबारी, राजस्थान में फिर बारिश की चेतावनी, बिहार में बाढ़ का कहर

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। देश के कई हिस्सों में मानसून सक्रिय है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश समेत छह राज्यों में गुरुवार को बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी ने मौसम का मिजाज बदल दिया है। उत्तराखंड के कई ऊंचाई वाले इलाकों में भी ओलों के साथ हल्की बर्फबारी हुई। हिमाचल प्रदेश में गुरुवार सुबह रोहतांग, भरमौर और मनाली की पहाड़ियों पर करीब एक से डेढ़ इंच बर्फ गिरी। सामान्य तौर पर इन क्षेत्रों में 15 अक्टूबर के आसपास हिमपात शुरू होता है, लेकिन इस बार करीब एक महीने पहले ही बर्फबारी हो गई। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले की गुरेज घाटी में भी बर्फबारी हुई। उत्तराखंड में केदारनाथ, हेमकुंड साहिब और चमोली में ओलों के साथ हल्की बर्फ गिरी। देहरादून में गुरुवार सुबह तेज बारिश हुई, जबकि पिथौरागढ़ में आदि कैलाश यात्रा मार्ग पर दोबारा लैंडस्लाइड होने की सूचना है।

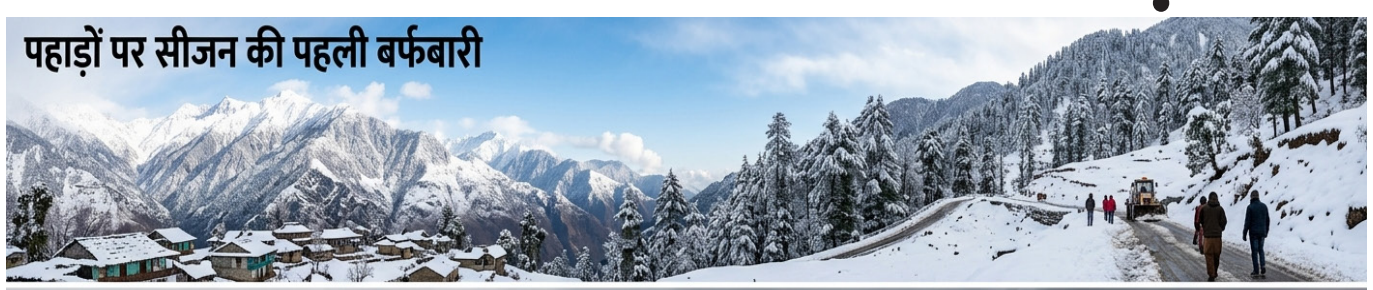

बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

राजस्थान में 20 तक बारिश का दौर, फिर मौसम शुष्क

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार 17 सितंबर को पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, कोटा, उदयपुर, जयपुर और अजमेर संभागों में अनेक स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर और जोधपुर संभागों में भी कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है। 18 को पूर्वी राजस्थान के इन पांचों संभागों में कुछ स्थानों पर तथा पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर-जोधपुर संभागों में भी कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना है। 19 सितंबर को प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। 20 को भरतपुर, कोटा, उदयपुर और अजमेर संभागों में कहीं-कहीं बारिश की संभावना है, जबकि पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। 21 से 23 सितंबर तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है।

20 साल के सबसे बड़े बिजली संकट से जूझ रहा बांग्लादेश, अस्पताल में मोबाइल टॉर्च से इलाज

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। बांग्लादेश इस समय करीब 20 साल के सबसे गंभीर बिजली संकट से जूझ रहा है। कई इलाकों में रोजाना घंटों बिजली कटौती हो रही है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, बारिशाल के एक अस्पताल में बैकअप जनरेटर का डीजल खत्म होने के बाद नर्सों को मोबाइल की टॉर्च की रोशनी में मरीजों की देखभाल करनी पड़ी। देश में इस समय करीब 3,000 से 3,500 मेगावाट बिजली की कमी बताई जा रही है। अगस्त में औसतन करीब 13 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन हुआ, जबकि मांग 16 हजार मेगावाट से अधिक थी। 2022 में बिजली की कमी करीब 750 मेगावाट थी, यानी मौजूदा संकट उस स्तर से लगभग चार गुना है।

गैस की कमी बनी बड़ी वजह

बांग्लादेश में बिजली उत्पादन की पर्याप्त क्षमता होने के बावजूद प्लांटों को चलाने के लिए जरूरी ईंधन की कमी संकट बढ़ा रही है। देश की करीब 44% बिजली गैस आधारित संयंत्रों से आती है। घरेलू गैस उत्पादन 2018-19 के 27.2 अरब घन मीटर से घटकर 2024-25 में 19.6 अरब घन मीटर रह गया। गैस की कमी पूरी करने के लिए LNG आयात बढ़ाया गया, लेकिन कॉक्स बाजार के मोहेशखाली में LNG टर्मिनलों में से एक में 21 जुलाई को आग लगने के बाद स्थिति और बिगड़ गई। अगस्त में गैस की उपलब्धता करीब 2,235 मिलियन क्यूबिक फीट प्रतिदिन रही, जबकि जरूरत 3,860 मिलियन क्यूबिक फीट थी।

भारत से बड़ी तत्काल राहत मुश्किल

संकट के बीच बांग्लादेश को भारत से तत्काल बड़ी अतिरिक्त बिजली मिलने की संभावना भी सीमित है। भारत पहले ही बांग्लादेश को 2,656 मेगावाट से अधिक बिजली की आपूर्ति कर रहा है। अतिरिक्त बिजली देने के लिए भारत को अपनी उत्पादन क्षमता और ट्रांसमिशन व्यवस्था का भी आकलन करना होगा।

AC कोच में मां-बेटी के बैग से 1 करोड़ की ज्वेलरी और 8 लाख कैश चोरी

24 न्यूज अपडेट

नोखा। मदुरई-बीकानेर एक्सप्रेस के AC कोच B-1 में सफर कर रही मां-बेटी के बैग से करीब 1 करोड़ रुपए की ज्वेलरी और 8 लाख रुपए नकद चोरी हो गए। दोनों नागपुर में परिचित के सगाई समारोह में शामिल होकर नोखा लौट रही थीं। घर पहुंचकर बैग खोले तो चोरी का पता चला। जीआरपी के अनुसार, देसलसर निवासी विक्रम राजपुरोहित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उनकी मां मांगीदेवी और बहन डिंपल राजपुरोहित 11 सितंबर को नागपुर से ट्रेन में सवार हुई थीं। दोनों की सीट B-1 कोच में 25 और 28 नंबर थी। उनके पास दो ट्रॉली बैग समेत 3-4 बैग थे, जिन्हें उन्होंने सीट के नीचे रखा था। 12 सितंबर को नोखा पहुंचने के बाद परिजन सामान लेकर घर गए। वहां बैग खोलने पर करीब 70 तोला सोने, आधा किलो चांदी के आभूषण और 8 लाख रुपए कैश गायब मिले। बीकानेर जीआरपी ने 14 सितंबर को मामला दर्ज किया है। पुलिस और आरपीएफ की टीमें CCTV फुटेज खंगालने के साथ संदिग्धों से पूछताछ कर रही हैं।

'तमिलनाडु में हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी, ऐसा नहीं हो सकता': सुप्रीम कोर्ट; नवोदय स्कूलों पर राज्य से रुख बदलने को कहा

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु सरकार से नवोदय विद्यालयों के मुद्दे पर अपना रुख बदलने और केंद्र के साथ सहयोग करने को कहा। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि तमिलनाडु की धरती पर हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी। पीठ ने यह भी कहा कि चेन्नई और दिल्ली को एक-दूसरे से अलग-थलग रखने की सोच नहीं होनी चाहिए। मामला तमिलनाडु में हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय स्थापित करने से जुड़ा है। राज्य सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें हर जिले में नवोदय विद्यालय के लिए जमीन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राज्य को अपने दिसंबर 2025 के निर्देश का पालन करते हुए जमीन चिन्हित करने को कहा और केंद्र-राज्य के बीच बातचीत से मतभेद सुलझाने पर जोर दिया।

भाषा नीति को लेकर राज्य की आपत्ति

तमिलनाडु सरकार की ओर से दलील दी गई कि नवोदय विद्यालयों में तीन-भाषा व्यवस्था है, जबकि राज्य अपनी दो-भाषा नीति'तमिल और अंग्रेजी लागू करता है। राज्य ने तर्क दिया कि नवोदय विद्यालयों की व्यवस्था उसकी शिक्षा और भाषा नीति से अलग है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र की किसी योजना को अपनाने का मतलब यह नहीं है कि राज्य केंद्र के सामने झुक रहा है। पीठ ने केंद्र और राज्यों के बीच सहकारी संघवाद के तहत मिलकर काम करने की जरूरत बताई। केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने कहा कि राज्य की भूमिका मुख्य रूप से स्कूल के लिए जमीन उपलब्ध कराने की है, जबकि बाकी व्यवस्था केंद्र की ओर से की जाएगी। कोर्ट ने तमिलनाडु को प्रत्येक जिले में उपयुक्त जमीन की पहचान करने के निर्देश से पीछे हटने से इनकार किया।

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन का कार्यकाल 2032 तक बढ़ा

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन का कार्यकाल 2032 तक बढ़ाने को कंपनी के बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। उनका मौजूदा कार्यकाल फरवरी 2027 में खत्म होना था। हालांकि, नए कार्यकाल पर अंतिम मंजूरी कंपनी की सालाना आम बैठक में मिलना बाकी है। नए कार्यकाल के बाद चंद्रशेखरन 70 वर्ष की उम्र तक टाटा संस की कमान संभालेंगे। टाटा समूह की नीति के तहत ग्रुप एग्जीक्यूटिव के लिए सामान्य रिटायरमेंट उम्र 65 वर्ष है। हालांकि, नॉन-एग्जीक्यूटिव पदों पर 70 वर्ष तक बने रहने का प्रावधान है।

अगस्त में इस्तीफे की घोषणा की थी

चंद्रशेखरन ने 12 अगस्त को अपने पद से इस्तीफे की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने उनके पांच साल के कार्यकाल विस्तार की सर्वसम्मति से सिफारिश की थी, लेकिन बोर्ड के एक सदस्य के समर्थन नहीं करने के कारण प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका। उन्होंने यह भी कहा था कि नेतृत्व को लेकर स्पष्टता जरूरी है, क्योंकि टाटा संस के कई रणनीतिक प्रोजेक्ट अहम दौर में हैं।

2017 में संभाली थी टाटा संस की कमान

एन. चंद्रशेखरन अक्टूबर 2016 में पहली बार टाटा संस के बोर्ड में शामिल हुए थे। जनवरी 2017 में उन्हें चेयरमैन बनाया गया। इससे पहले उन्होंने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) में लंबा कार्यकाल पूरा किया था। उन्होंने 1987 में TCS में इंटर्न के तौर पर करियर शुरू किया था और बाद में कंपनी के CEO एवं MD भी रहे।

जयपुर में 50 हजार दीये जलाए, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने अमर जवान ज्योति पर जलाया दीप; बाड़ेबंदी में रखे पार्षदों ने की रिसोर्ट में सफाई

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर गुरुवार को राजस्थान में भाजपा की ओर से अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए। जयपुर में उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने अल्बर्ट हॉल पर 'एक दीप आशीर्वाद का कार्यक्रम आयोजित किया। यहां करीब 50 हजार दीये जलाए गए। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने जयपुर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय के साथ अमर जवान ज्योति पर भी दीप जलाया। इस दौरान सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा की मौजूदगी में जेसीबी से पुष्प वर्षा कराई गई। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने घरों के साथ सार्वजनिक स्थानों पर भी 'आशीर्वाद का दीया जलाकर प्रधानमंत्री मोदी के स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

बाड़ेबंदी वाले पार्षदों ने रिसोर्ट में की सफाई

जयपुर में भाजपा पार्षदों की ओर से स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। बाड़ेबंदी में रखे गए भाजपा पार्षदों ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर रिसोर्ट के बैक एरिया में सफाई की और स्वच्छता की शपथ ली।

संपादकीय : समानता का सिरा

किसी भी समाज में लैंगिक समानता विकास का महत्त्वपूर्ण आधार होती है महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, राजनीतिक भागीदारी और आर्थिक अवसरों में पुरुषों के समान अवसर मिलना केवल सामाजिक न्याय का विषय नहीं, बल्कि यह देश की आर्थिक प्रगति से भी जुड़ा है। इसके बावजूद भारत लैंगिक समानता के मामले में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। विश्व आर्थिक मंच की ओर से बुधवार को जारी वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक - 2026 में भारत 131 वें स्थान पर बरकरार रहा। कुल 145 देशों की सूची में भारत से नीचे केवल 14 देश हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के मुकाबले भारत की स्थिति में अभी सुधार की कितनी गुंजाइश है। अहम सवाल यह है जब भारत की गिनती दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में हो रही है, तो लैंगिक समानता की कतार में वह पीछे क्यों खड़ा है ? विकास का अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि समाज में संसाधनों और सुविधाओं के बंटवारे में संतुलन तथा व्यवस्था में समान भागीदारी सुनिश्चित करना भी जरूरी है । सूचकांक की रिपोर्ट में कहा गया है कि लैंगिक समानता की दिशा में भारत की प्रगति 64.5 फीसद रही, लेकिन यह वैश्विक औसत से कम है। हालांकि, पिछले साल की तुलना में अंकों में थोड़ा सुधार हुआ है, लेकिन देश की वैश्विक रैंकिंग पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। कुल मिलाकर वर्ष 2006 के बाद से भारत में लैंगिक समानता में 4.3 फीसद अंकों की बढ़ोतरी हुई है। भारत की स्थिति को समझने के लिए यह देखना भी जरूरी है कि समस्या केवल महिलाओं की शिक्षा तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में देश ने प्रगति की है, लेकिन शिक्षा और रोजगार के बीच अभी भी बड़ा अंतर है। आर्थिक भागीदारी एवं अवसर उप सूचकांक में भारत को समानता के मामले में 41.2 फीसद अंक मिले हैं। पिछले सूचकांक की तुलना में इसमें 0.5 फीसद का सुधार हुआ है, लेकिन वर्ष 2013 में मिले सबसे अच्छे परिणाम से यह 3.5 फीसद अंक कम है। देश में सबसे बड़ी चुनौती महिलाओं को रोजगार से जोड़ने की है। यहां बड़ी संख्या में महिलाएं घरेलू जिम्मेदारियों के कारण रोजगार से बाहर रह जाती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो महिलाओं का काम अक्सर कृषि और पारिवारिक गतिविधियों तक सीमित रहता है, जिसका पूरा आर्थिक मूल्य भी उन्हें नहीं मिल पाता। एक और समस्या आय का अंतर है। समान स्तर के काम के बावजूद महिलाओं की औसत आय पुरुषों की तुलना में कम रहने की समस्या अब भी बनी हुई है। इसका अर्थ है कि शिक्षा हासिल करने के बावजूद महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता और संसाधनों तक समान पहुंच अभी नहीं मिली है। रिपोर्ट में भी इस बात का उल्लेख किया गया है कि भारत में पिछले दो दशकों में श्रमिक कार्यबल में भागीदारी की समानता में मामूली सुधार हुआ है और वर्ष 2026 में यह 44.1 फीसद रहा। महिलाओं के लिए नेतृत्व के अवसरों का अभाव भी एक बड़ी समस्या है। जो महिलाएं शिक्षा और पेशेवर क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं शीर्ष पदों पर उनकी तैनाती बहुत कम हो पाती है। इसलिए जरूरी है। कि उन सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को दूर किया जाए, जिनके कारण यह अंतर बना हुआ है।

राहत की उम्मीद

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक और मनमाने फैसले पर संघीय अदालत ने है। यह अदालत आदेश नियमों के लागू होने से ठीक एक दिन पहले आया है। ट्रंप प्रशासन विदेशी छात्रों, शोधार्थियों और पत्रकारों के अमेरिका में रहने की अवधि सीमित करना चाहता था। मगर अदालत ने सरकार के तर्कों को बेहद कमजोर बताकर खारिज कर दिया। यह फैसला भारतीय संदर्भ में भी खास है, क्योंकि इससे साढ़े तीन लाख से अधिक उन भारतीय विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, जो अमेरिका में अध्ययन कर रहे हैं। सवाल यह है कि एक तरफ अमेरिका दुनिया की प्रतिभाओं को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करना चाहता है और दूसरी ओर छात्र वीजा को लेकर कड़े प्रावधान लागू करने में जुटा है ! इन प्रयासों में इस बात पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता कि अमेरिका में जो विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, उनके भविष्य का क्या होगा । इससे पहले अमेरिका ने भारत समेत कई देशों पर भारी-भरकम शुल्क लगाया था, जिस पर बाद में वहां की सर्वोच्च अदालत ने रोक लगा दी थी। बीते जुलाई में ट्रंप प्रशासन ने जिस नियम को अंतिम रूप दिया था, उसमें छात्र और 'एक्सचेंज विजिटर वीजा' के लिए चार साल की समय सीमा तय की गई थी। एक्सचेंज विजिटर वीजा अमेरिका का एक प्रकार का गैर आप्रवासी वीजा है, जो ऐसे लोगों को दिया जाता है, जो शैक्षणिक, सांस्कृतिक या पेशेवर कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका जाते हैं। सवाल यह नहीं कि वीजा व्यवस्था में दुरुपयोग रोकने के उपाय होने चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हर समस्या का समाधान दरवाजे संकरे करना ही है। जिस देश ने दुनिया भर की प्रतिभा को विश्वविद्यालयों और प्रयोगशालाओं से जोड़ा, वही यदि प्रशासनिक अनिश्चितता पैदा करेगा, तो उसका नुकसान केवल विदेशी छात्रों को ही नहीं, बल्कि अमेरिकी शिक्षा, शोध और अर्थव्यवस्था को भी होगा। अदालत ने भी चेताया है कि नए नियमों से व्यवस्था को नुकसान हो सकता है। राष्ट्रीय सुरक्षा जरूरी है, लेकिन वह सार्वभौमिक बहाना नहीं हो सकती, जिसके सहारे सरकार हर कठोर कदम को उचित ठहरा दे ।

फतहनगर के चेयरमैन चुनाव में हुई नौकरशाही की एंट्री, प्रभावशाली लोगों के इशारे पर नोटिस-नोटिस का खेला शुरू, लोगों में भारी आक्रोश

24 न्यूज अपडेट

फतहनगर-सनवाड़। नगरपालिका अध्यक्ष चुनाव से पहले राजनीति में भाजपा के भीतर घमासान खुलकर सामने आ गया है। भाजपा पार्षद राजेश चपलोत की पत्नी ममता चपलोत ने चेयरमैन पद के लिए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर पार्टी की रणनीति को झटका दिया है। उनके नामांकन पत्र में कांग्रेस के पार्षद प्रस्तावक बने हैं। इससे भाजपा की ओर से की जा रही पार्षदों की बाड़ेबंदी और पार्टी के भीतर चल रही खींचतान पर सवाल खड़े हो गए हैं। ममता चपलोत के नामांकन के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि उन्हें चुनाव मैदान से हटाने के लिए वरिष्ठ और जुगाड़ु नेताओं की ओर से जबर्दस्त प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए सरकारी मशीनरी का दुरूपयोग किया जा रहा है। मामले में प्रभारी पुष्कर तेली और किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष भंवरसिंह पंवार पर मामले को मैनेज करने के आरोप लग रहे हैं।

सामान्य सीट पर टिकट वितरण को लेकर नाराजगी

नगरपालिका चेयरमैन पद इस बार सामान्य महिला वर्ग के लिए आरक्षित है। इसके बावजूद ओबीसी वर्ग को टिकट वितरण को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं के एक वर्ग में खासी नाराजगी बताई जा रही है। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट में आरोप लगाया गया है कि सामान्य वर्ग की सीट पर ओबीसी वर्ग से जुड़े परिवार को टिकट दिया गया है। आरोप लगाया गया कि सामान्य वर्ग के अधिकार को दरकिनार कर पार्टी ने टिकट वितरण किया। वहीं, ममता चपलोत का परिवार भाजपा के वरिष्ठ नेता और मेवाड़ में जनसंघ के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शांतिलाल चपलोत के परिवार से जुड़ा होने से राजनीतिक घमासान और अधिक तेज हो गया है।

12 कांग्रेस पार्षदों का समर्थन चर्चा में

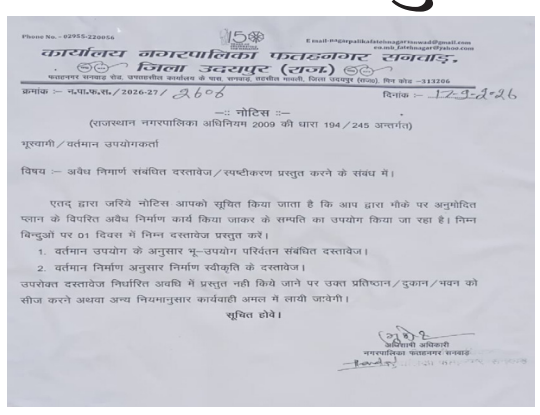

ममता चपलोत के नामांकन में कांग्रेस के पार्षदों के प्रस्तावक बनने से समीकरण और दिलचस्प हो गए हैं। राजनीतिक चर्चाओं के मुताबिक निर्दलीय प्रत्याशी ममता चपलोत को कांग्रेस के पार्षदों का समर्थन मिल सकता है। दूसरी ओर, भाजपा के भीतर भी कुछ पार्षदों द्वारा राजेश चपलोत के साथ खड़े होने की चर्चा है। छह भाजपा पार्षदों के समर्थन की बात का एक पक्ष दावा कर रहा है। यदि यह समीकरण चुनाव तक कायम रहता है तो चेयरमैन चुनाव सीधा मुकाबला न रहकर बहुकोणीय संघर्ष में बदल सकता है।

Phone No. - 02955-220056
E mail-nagarpalikafatehnagarsanwad@gmail.com
eo.mb.fatehnagar@yahoo.com
कार्यालय नगरपालिका फतहनगर सनवाड़, जिला उदयपुर (राज.)
फतहनगर सनवाड़ रोड, उपतहसील कार्यालय के पास, सनवाड़, तहसील मावली, जिला उदयपुर (राज.), पिन कोड -313206
क्रमांक :- न.पा.फ.स./2026-27/ 2606
दिनांक :- 17-9-2026
—: नोटिस :—
(राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 194/245 अन्तर्गत)
भूस्वामी/वर्तमान उपयोगकर्ता
विषय :- अवैध निर्माण संबंधित दस्तावेज/स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के संबंध में।
एतद् द्वारा जरिये नोटिस आपको सूचित किया जाता है कि आप द्वारा मौके पर अनुमोदित प्लान के विपरित अवैध निर्माण कार्य किया जाकर के सम्पति का उपयोग किया जा रहा है। निम्न बिन्दुओं पर 01 दिवस में निम्न दस्तावेज प्रस्तुत करें।
1. वर्तमान उपयोग के अनुसार भू-उपयोग परिवर्तन संबंधित दस्तावेज।
2. वर्तमान निर्माण अनुसार निर्माण स्वीकृति के दस्तावेज।
उपरोक्त दस्तावेज निर्धारित अवधि में प्रस्तुत नही किये जाने पर उक्त प्रतिष्ठान/दुकान/भवन को सीज करने अथवा अन्य नियमानुसार कार्यवाही अमल में लायी जावेगी।
सूचित होवे।
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका फतहनगर सनवाड़

चुनावी घमासान के बीच राजेश चपलोत की प्रॉपर्टी पर नगरपालिका नोटिस

राजनीतिक घटनाक्रम के बीच नगरपालिका प्रशासन की ओर से भाजपा पार्षद एवं संभावित चेयरमैन सीट के लिए दावेदारी कर रही प्रत्याशी के पति राजेश चपलोत से जुड़ी संपत्ति देवी लीला पैलेस पर अवैध निर्माण को लेकर नोटिस चस्पा किया गया है जो साफ तौर पर सरकारी मशीनरी के उपयोग का मामला दिखाई दे रहा है। नगरपालिका फतहनगर-सनवाड़ के अधिशाषी अधिकारी की ओर से 17 सितंबर को जारी नोटिस राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 194 और 245 के तहत जारी किया गया है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि मौके पर स्वीकृत प्लान के विपरीत निर्माण कार्य कर संपत्ति का उपयोग किया जा रहा है। प्रशासन ने संबंधित भूस्वामी अथवा वर्तमान उपयोगकर्ता से वर्तमान उपयोग के अनुसार भू-उपयोग परिवर्तन दस्तावेज और निर्माण स्वीकृति से संबंधित दस्तावेज एक दिन के भीतर प्रस्तुत करने को कहा है। दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर प्रतिष्ठान, दुकान या भवन को सीज करने अथवा नियमानुसार अन्य कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

एक दिन के नोटिस को लेकर उठे सवाल

नगरपालिका की कार्रवाई के बाद सोशल मीडिया पर सवाल उठाए जा रहे हैं कि वर्षों से बनी दुकानों और भवनों के लिए अचानक एक दिन का नोटिस क्यों दिया गया। पोस्ट में दावा किया गया कि संबंधित दुकानें करीब 10 से 15 साल पुरानी हैं और इतने लंबे समय तक कोई नोटिस नहीं दिया गया। तब किसने पैसे खाए थे??? साथ ही सवाल उठाया कि यदि निर्माण नियमों के विपरीत है तो क्या फतहनगर-सनवाड़ क्षेत्र के अन्य भवनों और दुकानों को भी इसी तरह नोटिस जारी किए जाएंगे। आरोप लगाया गया कि शहर में बड़े पैमाने पर निर्माण संबंधी अनियमितताएं मौजूद हैं और कार्रवाई चयनित तरीके से की जा रही है उनका क्या होगा??

भूदान की जमीन और कब्जों को लेकर भी आरोप

कुछ जाने माने स्थानीय प्रभावशाली लोगों पर भूदान की जमीनों और सरकारी जमीनों पर कब्जे करने के आरोप भी लगाए गए हैं, लोग कह रहे हैं कि पालिका के सरकारी कारिंदे उन पर भी नजरें इनायत करें, आखिर कब तक नेताओं के चक्कर में पड़ते रहेंगे। इस मामले में सरकारी जमीनों पर पट्टे जारी किए जाने तथा मुख्य हाईवे और चौराहे के आसपास करीब 15 दुकानों के निर्माण का उल्लेख खूब हो रहा है। स्थानीय कार्यकर्ताओं के बीच यह चर्चा भी है कि टिकट वितरण में अनदेखी और बाहरी प्रभाव के कारण पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं में असंतोष गहरा हो गया है। टिकट वितरण में आर्थिक सहयोग के भी आरोप लग रहे हैं।

आराधना भवन में सिद्धीतप के 20 तपस्वियों का सोने की गिन्नी से सम्मान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 सितंबर। श्री जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक श्रीसंघ के मालदास स्ट्रीट स्थित आराधना भवन में आठ दिवसीय पर्युषण महापर्व के सातवें दिन धर्म, भक्ति और साधना का वातावरण बना रहा। आचार्यदेव श्रीमद् विजय प्रशमेशप्रभ सूरीश्वर महाराज, मुनिराज नीतिप्रभ विजयजी महाराज एवं साध्वी श्रुतवर्धना श्रीजी महाराज आदि ठाणा की पावन निश्रा में आयोजित धर्मसभा में सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया। श्रीसंघ के कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया ने बताया कि पर्युषण महापर्व की आराधना के समापन अवसर पर आचार्यदेव श्रीमद् विजय प्रशमेशप्रभ सूरीश्वर महाराज की निश्रा में सिद्धीतप की कठिन तपस्या पूर्ण करने वाले 20 तपस्वियों का सम्मान किया गया। तपस्वियों को सोने की गिन्नी भेंट कर उनकी तपस्या के प्रति अनुमोदना व्यक्त की गई। वहीं साध्वी श्रुतवर्धना श्रीजी महाराज का भी सोने की गिन्नी से गुरुपूजन कर श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्मान किया गया।

इस अवसर पर आचार्यदेव श्रीमद् विजय प्रशमेशप्रभ सूरीश्वर महाराज ने कहा कि पर्युषण महापर्व केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण और आत्मशुद्धि का अवसर है। तप, संयम और साधना के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर के विकारों को दूर करने का प्रयास करता है। तपस्या शरीर को कष्ट देने के लिए नहीं, बल्कि आत्मा को जागृत करने और कर्मों की निर्जरा का माध्यम है। उन्होंने कहा कि पर्युषण के दिनों में की गई आराधना तभी सार्थक होती है, जब उसका प्रभाव हमारे व्यवहार और जीवन में दिखाई दे। क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे कषायों पर नियंत्रण करना ही वास्तविक धर्म साधना है। तपस्या के साथ मन में क्षमा, विनय, करुणा और मैत्री का भाव विकसित होना चाहिए। जिसने अपनी आत्मा को पहचानने और विकारों से दूर करने का प्रयास किया, वही पर्युषण की सच्ची भावना को आत्मसात कर पाया। आचार्य ने तपस्वियों की अनुमोदना करते हुए कहा कि कठिन तपस्या के माध्यम से उन्होंने समाज के सामने संयम, श्रद्धा और आत्मबल का उदाहरण प्रस्तुत किया है। तपस्वियों का सम्मान केवल उनका सम्मान नहीं, बल्कि तप और धर्म की भावना का सम्मान है। उन्होंने सभी श्रावक-श्राविकाओं से पर्युषण के दौरान अर्जित धार्मिक भावनाओं को आगे भी अपने जीवन में बनाए रखने का आह्वान किया। धर्मसभा में श्रीसंघ के डॉ. शैलेन्द्र हिरण, कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया, राजकुमार बापना, नरेंद्र सिंघवी, भोपाल सिंह सिंघवी, मनीष दोशी, अभिषेक हुमड़, अशोक सेठ, प्रकाश गांधी, राकेश चेलावत, अशोक जैन, राजेंद्र कोठारी सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

देवी का तालाब स्कूल में जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भीण्डर पंचायत समिति के बग्गड़ क्षेत्र स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय देवी का तालाब में 8 सितंबर को जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए स्टेशनरी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उदयपुर निवासी मदन लाल बोकड़िया की ओर से विद्यालय के गरीब विद्यार्थियों को लेखन एवं अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई। स्टेशनरी सामग्री मिलने पर विद्यार्थियों में उत्साह नजर आया। बच्चों ने दानदाता मदन लाल बोकड़िया के प्रति आभार जताया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजमल मेहता ने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने से उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने बोकड़िया के सेवा भाव की सराहना करते हुए विद्यालय में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। प्रधानाध्यापक ने कहा कि समाज के जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग करना सामाजिक जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विद्यालय परिवार की ओर से मदन लाल बोकड़िया का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया तथा भविष्य में भी इसी तरह विद्यार्थियों और विद्यालय के सहयोग के लिए जुड़े रहने की अपेक्षा जताई गई। विद्यालय परिवार ने कहा कि ऐसे सहयोग से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए जरूरी संसाधन मिलते हैं और उनमें आगे बढ़ने का उत्साह पैदा होता है।

नाथद्वारा में रातभर सियासी ड्रामा, सुबह लौटे भाजपा के चार पार्षद: काबरा के लापता होने पर धरना, अपहरण की आशंका पर लगा विराम

24 न्यूज अपडेट

नाथद्वारा। नगर पालिका अध्यक्ष के चुनाव से ठीक पहले नाथद्वारा की राजनीति में बुधवार को अचानक ऐसा घटनाक्रम सामने आया, जिसने प्रशासन से लेकर भाजपा खेमे तक हलचल बढ़ा दी। अध्यक्ष पद के दावेदार माने जा रहे भाजपा पार्षद एवं जिला महामंत्री प्रदीप काबरा के जोधपुर से नाथद्वारा आते समय संपर्क से बाहर होने के बाद परिजन अपहरण की आशंका जताते हुए उपखंड कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। मामला बढ़ा तो नाथद्वारा विधायक विश्व राज सिंह मेवाड़ और सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ भी मौके पर पहुंचीं और पुलिस अधिकारियों से बातचीत की। हालांकि पुलिस ने अपहरण की पुष्टि नहीं की थी। पूरे घटनाक्रम का पटाक्षेप गुरुवार सुबह हुआ। करीब 6:30 बजे प्रदीप काबरा समेत चार भाजपा पार्षद नाथद्वारा पहुंच गए और अपने-अपने घर चले गए। इनके लौटने के साथ ही परिजनों की ओर से जताई जा रही लापता होने और अपहरण की आशंका पर विराम लग गया। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक काबरा के साथ वार्ड 1 के चंद्रप्रकाश जोशी, वार्ड 15 की हीना पुरोहित और वार्ड 17 के महेश दवे भी वापस पहुंचे। काबरा के बेटे धर्मेंद्र के अनुसार उनके पिता बुधवार सुबह करीब 6 बजे जोधपुर से नाथद्वारा के लिए रवाना हुए थे। परिवार को नामांकन की तैयारियां रखने के लिए कहा गया था। सुबह 9:28 बजे काबरा से आखिरी बार बात हुई थी। उस समय उन्होंने करीब 11:15 बजे तक नाथद्वारा पहुंचने की बात कही थी। इसके बाद देसूरी के आसपास उनका मोबाइल बंद आने लगा। परिवार के अनुसार उनके साथ संदीप श्रीमाली और वार्ड 1 के प्रस्तावक चंद्रप्रकाश जोशी भी थे और उनसे भी संपर्क नहीं हो पा रहा था। संपर्क टूटने के बाद काबरा के परिजन और समर्थक उपखंड कार्यालय के बाहर जमा हो गए। उन्होंने प्रशासन से तत्काल जानकारी उपलब्ध कराने की मांग करते हुए धरना शुरू कर दिया। मामले ने उस समय और राजनीतिक रंग ले लिया जब नाथद्वारा विधायक विश्व राज सिंह मेवाड़ और सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ भी मौके पर पहुंचीं। दोनों ने पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल से बातचीत कर काबरा की तलाश के संबंध में जानकारी ली। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार पुलिस का कहना था कि तलाश की जा रही है। इसी बीच मौके पर एक और घटना से माहौल तनावपूर्ण हो गया। भाजपा पार्षद हीना पुरोहित के ससुर सुरेश पुरोहित की हार्ट अटैक से मौत की सूचना सामने आई।

11 मिनट में 3.25 लाख की ज्वेलरी पार: ग्राहक बनकर आया, बालियां देखने के बहाने दुकानदार को उलझाया और फरार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। तीतरड़ी चौराहे पर गुरुवार सुबह ज्वेलरी शॉप में ग्राहक बनकर आया एक शातिर बदमाश महज 11 मिनट में 3.25 लाख रुपए कीमत की सोने की बालियां चोरी कर फरार हो गया। आरोपी ने दुकानदार के पिता को बालियां दिखाने के लिए कहा, फिर उन्हें बातों में उलझाकर 25 ग्राम वजनी बालियों का एक पैकेट चुपचाप अपनी जेब में रख लिया। जाते समय 15 मिनट में वापस आने की बात कही, लेकिन तब तक दुकान से काफी दूर निकल चुका था। वारदात सवीना थाना क्षेत्र के तीतरड़ी चौराहा स्थित नमो ज्वेलर्स की है। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार आरोपी सुबह 10:32 बजे दुकान में दाखिल हुआ और 10:43 बजे वहां से निकल गया। दुकानदार को बालियां कम होने का पता चला तो सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई, जिसमें पूरी वारदात सामने आ गई। सूचना पर सवीना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान और तलाश में जुटी है। दुकानदार सुरेश पांचाल ने बताया कि

घटना के समय वह दुकान पर मौजूद नहीं थे। उनके पिता दुकान संभाल रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति ग्राहक बनकर आया और सोने की बालियां दिखाने को कहा। पिता ने उसे अलग-अलग डिजाइन की बालियां दिखाईं। एक बॉक्स में करीब 5-6 पैकेट में अलग-अलग साइज की बालियां रखी थीं। आरोपी एक के बाद एक बालियां देखने लगा और इसी दौरान बातचीत के जरिए उनके पिता का ध्यान भटकाता रहा। मौका मिलते ही उसने एक पैकेट अपनी उंगली में फंसाया और चुपके से अपनी जेब में रख लिया। इसके बाद उसने कहा कि वह करीब 15 मिनट में वापस आएगा और दुकान से निकल गया। आरोपी के जाने के बाद दुकानदार के पिता को संदेह हुआ। उन्होंने बालियों का वजन किया तो करीब 25 ग्राम सोने की बालियां कम मिलीं। इसके बाद दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी गई। फुटेज में आरोपी बालियां अपनी जेब में रखते हुए नजर आया। दुकानदार के अनुसार चोरी हुई बालियों की कीमत करीब 3 लाख 25 हजार रुपए है।

कलेक्ट्रेट के बाहर युवक ने खुद पर केरोसिन डालकर आग लगाने का प्रयास, पुलिस ने लाइटर छीनकर बचाया

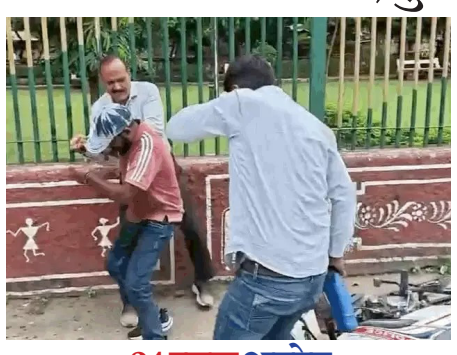

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। जिला कलेक्ट्रेट के बाहर गुरुवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक ने खुद पर केरोसिन उड़ेलकर आग लगाने का प्रयास किया। युवक के हाथ में केरोसिन की केन और लाइटर था। मौके पर मौजूद डीएसबी के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए उसके हाथ से लाइटर और केन छीन ली, जिससे बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। मामला गांधीनगर थाना क्षेत्र से जुड़ा है। गांधीनगर निवासी किशन भाट आज दोपहर अपनी शिकायत लेकर जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचा था। वह एसपी से मिलकर अपनी समस्या बताना चाहता था। इसी दौरान उसने कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर खुद पर केरोसिन डाल लिया और आग लगाने की कोशिश करने लगा। युवक की हरकत देखकर वहां मौजूद डीएसबी और पुलिस के जवान तुरंत सक्रिय हुए। जवानों ने उसे पकड़ लिया और उसके हाथ से केरोसिन की केन छीन ली। डीएसबी जवान अरविंद ने मौका पाकर उसके हाथ से लाइटर भी छीन लिया। इसके बाद किशन को भीलवाड़ा एसपी सागर राणा के समक्ष पेश किया गया।

8 लाख रुपए देकर प्लॉट खरीदने का दावा

पूछताछ के दौरान किशन ने बताया कि करीब दो साल पहले उसने गांधीनगर थाना क्षेत्र में रहने वाले रामलाल को 8 लाख रुपए दिए थे। उसका दावा है कि यह रकम घर के पास एक प्लॉट खरीदने के लिए दी गई थी। किशन के अनुसार, अब रामलाल न तो उसे प्लॉट दे रहा है और न ही रकम वापस कर रहा है। युवक ने आरोप लगाया कि मामले में पुलिस से शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, जिससे परेशान होकर उसने यह कदम उठाने का प्रयास किया।

पुलिस बोली- दस्तावेज और गवाह पेश नहीं कर रहा

गांधीनगर थाना प्रभारी पुष्पा कसोटिया ने बताया कि किशन भाट ने जमीन से जुड़े मामले में रिपोर्ट दी हुई है। मामले की जांच के लिए उसे प्रॉपर्टी से संबंधित दस्तावेज और गवाह प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। थाना पुलिस ने उसे कई बार बुलाया, लेकिन वह हर बार टालमटोल करता रहा।

थाना प्रभारी के अनुसार, युवक को बयान देने के लिए भी बुलाया गया था, लेकिन वह बयान देने नहीं आया। पुलिस ने रुपए के लेनदेन और संपत्ति से संबंधित दस्तावेज मांगे, जिन्हें युवक प्रस्तुत नहीं कर रहा था।

उन्होंने बताया कि गुरुवार को युवक ने पुलिस पर दबाव बनाने के उद्देश्य से खुद पर केरोसिन डालकर आग लगाने का प्रयास किया। यह तरीका पूरी तरह गलत है। पुलिस ने उसे हिरासत में लिया है और उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

फिलहाल पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है और जमीन विवाद से जुड़े दस्तावेजों व शिकायत की जांच की जा रही है।

भीण्डर: अवैध पिस्टल, कारतूस और बिना नंबरी क्रेटा कार के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुग्दू के निर्देश पर जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत भीण्डर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने नेशनल हाईवे-48 पर नारायणपुरा बस स्टैंड के पास नाकाबंदी के दौरान एक बिना नंबरी क्रेटा कार से अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि कार चालक मौके से फरार होने में सफल रहा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खेरवाड़ा रजत विश्नोई और वृत्ताधिकारी वल्लभनगर श्रवणदास संत के सुपरविजन में थानाधिकारी मुकेशचन्द्र के नेतृत्व में टीम हाईवे पर गश्त कर रही थी। इस दौरान एक संदिग्ध बिना नंबरी क्रेटा कार को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस को देख कार सवार दो युवक कार छोड़कर भागने लगे। टीम ने पीछा कर कार में बैठे एक व्यक्ति को दबोच लिया, जबकि कार चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम दिनेश पिता रतनलाल अहीर, निवासी पदमपुरा, थाना मंगलवाड़, जिला चित्तौड़गढ़ बताया। पुलिस द्वारा कार की तलाशी लेने पर उसमें से एक अवैध पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अवैध पिस्टल, कारतूस और बिना नंबरी क्रेटा कार को जब्त कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी से फरार साथी और हथियार के स्रोत को लेकर अग्रिम अनुसंधान जारी है।

कार्यवाही करने वाली टीम:

थानाधिकारी मुकेशचन्द्र के साथ सउनि हिम्मतसिंह, सउनि लक्ष्मणलाल, हैड कानि. अनिल कुमार (988), हैड कानि. राजेश (2031), हैड कानि. सीताराम (2481), कानि. लोकेश (2581) और कानि. नरेश (3032) शामिल रहे।

जयपुर के त्रिपोलिया बाजार में 20 दुकानों में लगी आग, विधायक बोले—कांग्रेस जिम्मेदार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजधानी के ऐतिहासिक त्रिपोलिया बाजार में गुरुवार सुबह लगी भीषण आग ने पुराने शहर की तंग गलियों, ज्वलनशील सामान से भरे बाजार और फायर सेफ्टी इंतजामों पर फिर सवाल खड़े कर दिए। मणिहारों का कटला स्थित सेठी कॉम्प्लेक्स की दूसरी मंजिल से शुरू हुई आग देखते ही देखते 20 से ज्यादा दुकानों और गोदामों तक पहुंच गई। कपड़े, प्लास्टिक का सामान और चूड़ियों सहित बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री होने से आग तेजी से फैलती गई। सुबह करीब 7 बजे आग की सूचना के बाद माणक चौक थाना पुलिस और दमकल टीम मौके पर पहुंची। संकरी गलियों और अंदर तक भरे सामान के कारण राहत एवं बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण रहा। अलग-अलग फायर स्टेशनों से दमकल वाहन बुलाए गए और कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया।

आग के साथ उठा सबसे बड़ा सवाल- फायर सेफ्टी कहां थी?

आग के बाद स्थानीय व्यापारियों ने कॉम्प्लेक्स में लगे फायर सेफ्टी इंतजामों पर सवाल उठाए हैं। कुछ व्यापारियों ने दावा किया कि बिल्डिंग में लगे उपकरण काम नहीं कर रहे थे। वहीं प्रशासन की ओर से फायर एनओसी और सुरक्षा इंतजामों की जांच किए जाने की बात सामने आई है। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट या दूसरी मंजिल पर दुकान के बाहर रखे कार्टन में लगी आग बताई जा रही है। हालांकि अंतिम कारण जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

धुएं का गुबार चारदीवारी में दूर तक दिखा आग इतनी भीषण थी कि काले धुएं का गुबार सुभाष चौक से चांदपोल की दिशा तक दिखाई दिया। पुराने शहर के घनी आबादी वाले इलाके में आग की खबर फैलते ही आसपास के बाजारों में भी अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आने वाली दुकानों में कपड़ों के गोदाम, प्लास्टिक सामान और चूड़ी-बैंगल्स से जुड़ा कारोबार शामिल बताया गया है। ज्वलनशील माल की अधिकता ने आग को फैलने में मदद की।

संकरी गलियों ने बढ़ाई दमकल की मुश्किल

त्रिपोलिया बाजार की संकरी गलियां आग बुझाने के अभियान में बड़ी चुनौती बनीं। दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचाने और आग के स्रोत तक प्रभावी ढंग से पानी पहुंचाने में परेशानी हुई। आसपास के व्यापारियों ने दुकानों से सामान निकालने की कोशिश की। आग के कारण बाजार क्षेत्र में लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई और सुरक्षा के लिहाज से आसपास की गतिविधियों पर भी असर पड़ा।

व्यापारी बोले—ऊपर निर्माण को लेकर पहले से सवाल

घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों ने कॉम्प्लेक्स में ऊपर की मंजिल पर कथित तौर पर चल रहे निर्माण और रेस्टोरेंट-होटल जैसी गतिविधियों को लेकर भी सवाल उठाए हैं। व्यापारियों का आरोप है कि यहां पहले भी निर्माण कार्य और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आपत्तियां उठाई गई थीं।

BJP विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कांग्रेस शासन को घेरा

अग्निकांड के बाद राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई। हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य ने फायर सिस्टम और फायर एनओसी को लेकर पिछली कांग्रेस सरकार और उस समय के नगर निगम प्रशासन पर सवाल उठाए। आचार्य ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के दौरान स्मार्ट सिटी के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए, लेकिन पुराने शहर के बाजारों में फायर सेफ्टी व्यवस्था की पर्याप्त निगरानी नहीं हुई।

प्रदेश में एक लाख 19 हजार लीटर वॉश नष्ट, 126 हुए गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 सितंबर। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए 14 से 30 सितंबर तक जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही जारी है। प्रदेश में वॉश, हथकड़ मदिरा सहित अन्य राज्य की मदिरा पर भी कार्रवाई की गई है एवं बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी मदिरा जब्त की गई है। अवैध मदिरा के धंधे में लिप्त 126 गिरफ्तार आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत 16 सितंबर 2026 तक विभिन्न कार्रवाई के तहत 361 अभियोग दर्ज किए गए है। प्रदेश में देशी मदिरा 2 लाख 60 हजार 841 रूपए लागत की 967 लीटर, भारत निर्मित विदेशी मदिरा 66 लाख 55 हजार 180 रूपए की 6655 लीटर, बीयर 68 हजार 960 रूपए की 319 लीटर, हथकड़ शराब 2396 लीटर एवं स्प्रिट 350 लीटर जब्त किया गया है। इसी क्रम में वॉश एक लाख 19 हजार 90 लीटर नष्ट किया गया है। प्रदेश में अभियान के तहत एक बड़ा वाहन, 15 दुपहिया वाहन सहित 16 वाहन जब्त किए है साथ ही 126 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

41.70 लाख की बैंक लूट में गर्लफ्रेंड गिरफ्तार, तीन कैब ड्राइवर फरार, पहले गर्लफ्रेंड से करवाई एटीएम बूथ की रेकी

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। जयपुर में बैंक कर्मचारियों से 41.70 लाख रुपए लूटने के मामले में पुलिस ने एक युवती को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, युवती ने अपने बॉयफ्रेंड के कहने पर वारदात से पहले एटीएम बूथ की रेकी की थी। पुलिस ने उसके कब्जे से लूट की 26.80 लाख रुपए की रकम बरामद की है। वारदात को अंजाम देने वाले तीनों बदमाश अभी फरार हैं। डीसीपी ईस्ट रंजिता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार युवती अंशु कुमारी जाटव (22) निवासी नदबई, भरतपुर है। वह रामनगरिया इलाके के किशनपुरा स्थित बजरंग दीप-प्रथम में किराए से रहकर डी-मार्ट में नौकरी करती है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि अंशु की करीब 6-7 महीने पहले मासलपुर, करौली निवासी मस्तराम मीणा से दोस्ती हुई थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध बढ़ने के बाद पिछले करीब डेढ़ महीने से साथ रह रहे थे। मामले में मस्तराम मीणा के अलावा उसके दो दोस्त पुष्पेंद्र मीणा उर्फ पुस्सी और सुमित जंगम फरार हैं। पुलिस के मुताबिक, तीनों जयपुर में अपनी-अपनी कार ओला-उबर कंपनियों में टैक्सी के तौर पर चलाते थे।

कर्ज और मौज-मस्ती के लिए रुपए चाहिए थे

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मस्तराम और उसके दोनों दोस्त कर्ज के चलते परेशान थे। उनके पास मौज-मस्ती के लिए भी रुपए नहीं थे। इसके बाद तीनों ने मिलकर लूट की योजना बनाई। अक्षयपात्र चौराहा स्थित एटीएम बूथ में लगी कैश डिपॉजिट मशीन के बारे में आरोपियों ने बैंक में कार्यरत अपने एक परिचित से जानकारी जुटाई थी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि तीनों आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति से जुड़े होने के कारण पिस्तौल का इंतजाम करने में सफल रहे। इसके बाद मस्तराम ने अपनी गर्लफ्रेंड अंशु को दो-तीन बार एटीएम बूथ की रेकी के लिए भेजा।

गणेश चतुर्थी पर बैंक खुलते ही मिली सूचना

गणेश चतुर्थी के दिन सुबह बैंक खुलने के बाद अंशु को एटीएम बूथ पर निगरानी के लिए भेजा गया था। वहां कैश डिपॉजिट मशीन से रुपए निकालकर बाहर निकल रहीं बैंक की दो महिला कर्मचारियों और एक पुरुष कर्मचारी को देखते ही अंशु ने मस्तराम को फोन कर इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही अंशु वहां से निकल गई और तीनों बदमाश मौके पर पहुंच गए। बैंक कर्मचारियों के पास 41.70 लाख रुपए से भरे बैग थे। आरोप है कि बाहर निकलते ही बदमाशों ने हथियार के दम पर कर्मचारियों से रुपए लूट लिए और मौके से फरार हो गए।

लूट से पहले ही छिपा दी थीं अपनी कारें

पुलिस जांच में एक अहम बात सामने आई है कि बदमाशों ने वारदात से पहले ही अपनी टैक्सी कारों को जयपुर में अलग-अलग जगह छिपा दिया था। जांच के दौरान तीनों कारों का जीपीएस सिस्टम आउट मिला। CCTV फुटेज खंगालने पर पुलिस को पता चला कि तीनों कारें जयपुर से बाहर नहीं गई हैं। वारदात में इस्तेमाल की गई अपाची बाइक भी पुलिस को अब तक नहीं मिली है। पुलिस को आशंका है कि बदमाशों ने लूट के लिए पहले बाइक चोरी की थी।

14.90 लाख लेकर टैक्सी से भागने की आशंका

पुलिस के अनुसार, लूटी गई रकम में से 26.80 लाख रुपए अंशु के कब्जे से बरामद किए जा चुके हैं। वहीं करीब 14.90 लाख रुपए लेकर तीनों बदमाशों के टैक्सी कार हायर कर जयपुर से बाहर निकलने की आशंका है।

नगर निगम में अब 'निर्वाण समिति' की जरूरत, चुनाव जीताने वाले हैवीवेट चेहरों को साधना चुनौति, अंदरखाने बजने लगे बर्तन!!!

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में नगर निगम के चुनावों में मेयर पद पर भाजपा के पारस सिंघवी के नामांकन के बाद से अंदरखाने बर्तन बजने लगे हैं। असंतोष की आग बाड़ेबंदी में ही सुलगने लगी है और धीरे'धीरे बढ़ती जा रही है। नगर निगम चुनाव में भाजपा ने बोर्ड का बहुमत तो जुटा लिया लेकिन अब पार्टी के भीतर नए समीकरण खड़े कर दिए हैं। चुनाव से पहले जिन बड़े और प्रभावशाली चेहरों को मैदान में उतारा गया, मेयर का फैसला होने के बाद वही चेहरे अब हिसाब मांगने लगे हैं। मेयर की कुर्सी पारस सिंघवी के खाते में चली जाने के बाद अब डिप्टी मेयर को लेकर पंकज बोराणा और दिनेश भट्ट के नाम चर्चा में हैं। यानी हैवीवेट नेताओं की संख्या ज्यादा और निगम के बड़े पद सीमित। इसी राजनीतिक स्थिति ने अब पार्टी के भीतर नाराजगी और असंतोष की चर्चाओं को हवा दी है। चुनाव के दौरान पार्टी ने असेसमेंट किया कि इस बार हालत थोड़ी पतली है ऐसे में बड़े नेताओं की प्रतिष्ठा और प्रभाव को सामने रखकर मुकाबला मजबूत करने के लिए उन सबको उतार दिया। ताकि जनता उनके नाम पर वोट दे सके। लेकिन मेयर का नाम तय होने के बाद उन्हें राजनीतिक भूमिका किस तरह दी जाएगी, यह सवाल पार्टी के सामने है। ऐसे में अब कहा जा रहा है कि नगर निगम में सबसे पावरफुल निर्माण समिति के साथ ही एक निर्वाण समिति की भी जरूरत आन पड़ी है। निर्वाण समिति में हैविवेट को रखा जाए जिन्होंने सब कुछ पाकर भी सब कुछ गंवा दिया।

चुनाव में बड़े चेहरे, जीत के बाद पदों का संकट

पार्टी के भीतर चर्चा है कि प्रमोद सामर और दिनेश भट्ट जैसे दिग्गज चेहरों को केवल पार्षद बनाने के लिए तो नहीं उतारा गया था। यदि मेयर पद का मौका नहीं देना था तो चुनाव मैदान में उतारने की जरूरत क्यों पड़ी। परिजनों और पार्टी के कुछ लोगों की नाराजगी का प्रमुख सवाल यही बताया जा रहा है। उनका तर्क है कि बड़े नेताओं को चुनाव लड़वाने से पहले पार्टी ने उनकी राजनीतिक हैसियत और सामाजिक प्रभाव को महत्व दिया। अब जीत के बाद पार्षद तक हदबंदी कर दी तो इससे उनके समर्थकों में निराशा पैदा होना स्वाभाविक है। बाड़ेबंदी के दौरान सामर और भट्ट के पार्टी पदाधिकारियों से दूरी बनाए रखने और खिंचे खिंचे से नजर आने की चर्चाएं भी सामने आई हैं। बुधवार शाम को बताया जा रहा है कि दोनों के परिजनों के रिसोर्ट पहुंचने और पार्टी नेताओं के सामने नाराजगी जताई। परिजनों ने सवाल उठाया कि जब कोई बड़ा पद देना ही नहीं था तो उन्हें चुनाव मैदान में क्यों उतारा गया।

मेयर के बाद अब डिप्टी मेयर पर नजर

21 सितंबर को मेयर पद के लिए मतदान होना है। इसके अगले दिन यानी 22 सितंबर को डिप्टी मेयर के लिए नामांकन और मतदान होगा। भाजपा में डिप्टी मेयर पद के लिए प्रदेशाध्यक्ष की सीधी एप्रोच रखने वाले पंकज बोराणा और आरएसएस के दशकों से समर्पित साफ छवि वाले दिनेश भट्ट के नाम प्रमुखता से चर्चा में हैं। अगर जैक जुगाड़ जीतता है तो बोराणा को मौका मिलेगा और अगर आक्रोश को देखा जाएगा तो भट्ट का नाम तय हो जाएगा। इसके अलावा दिनेश भट्ट भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष भी हैं, ब्राह्मण समाज भी उनका बेकअप कर रहा है।

भट्ट की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल ले गए

बाड़ेबंदी के बीच दिनेश भट्ट की तबीयत बिगड़ने की जानकारी सामने आई। शुगर और ब्लड प्रेशर बढ़ने की शिकायत के बाद उन्हें रिसोर्ट से निजी अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि मेयर की दौड़ से बाहर होने के बाद अब डिप्टी मेयर पद को लेकर पार्टी के संकेत मिलने पर वह इस पद के लिए विचार कर सकते हैं। दूसरी ओर प्रमोद सामर और दिनेश भट्ट के पार्टी पदाधिकारियों से दूरी बनाए रखने की चर्चा ने भी संगठन के भीतर बेचैनी बढ़ाई है।

सिंघवी के नामांकन के बाद भी चैन नहीं

पारस सिंघवी के मेयर प्रत्याशी बनाए जाने के बाद भाजपा के सामने एक और चिंता संभावित क्रॉस-वोटिंग को लेकर है। हालांकि उदयपुर के निकाय चुनावों में अब तक क्रॉस-वोटिंग कोई बड़ी समस्या नहीं रही है, लेकिन इस बार बदले राजनीतिक समीकरणों के कारण पार्टी अपने पार्षदों को लेकर सतर्क है। बड़े चेहरों के मेयर की दौड़ से बाहर होने के बाद कुछ पार्षदों के रुख को लेकर चर्चाएं हो सकती है। मगर भाजपा में यह बहुत मुश्किल व लगभग असंभव लगता है।

शक्तावत का इस्तीफा दे गया संकेत

सिंघवी के नामांकन के बाद पूर्व पार्षद प्रेमसिंह शक्तावत ने सोशल मीडिया पर प्राथमिक इस्तीफे की बात लिखी मगर फोन बंद करके बैठ गए। जानकारी के अनुसार पार्टी के कुछ प्रमुख नेता उनसे संपर्क करने और समझाइश करने पहुंचे। घटनाक्रम ने मेयर पद के चेहरे को लेकर पार्टी के भीतर मौजूद असहमति की चर्चाओं को और हवा दी।

बंद लिफाफे में खुला केके गुप्ता की पत्नी सुशीला गुप्ता का नाम, प्रभु पंड्या निर्दलीय मैदान में

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। नगर परिषद सभापति पद को लेकर भाजपा में पिछले दो दिन से चल रहा सस्पेंस गुरुवार को खत्म हो गया। भाजपा ने पूर्व सभापति एवं स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर केके गुप्ता की पत्नी सुशीला गुप्ता को सभापति पद के लिए अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया है। वहीं, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष प्रभु पंड्या को पार्टी का सिंबल नहीं मिला। उन्होंने नामांकन वापस नहीं लिया, जिसके चलते अब वे निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव मैदान में हैं। परिषद में भाजपा के पास स्पष्ट बहुमत है, लेकिन पार्टी के ही पूर्व जिलाध्यक्ष के निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में रहने से सभापति चुनाव में अंदरूनी खींचतान की स्थिति बन गई है।

बंद लिफाफे में था भाजपा का फैसला

सभापति पद के लिए भाजपा की ओर से प्रभु पंड्या और सुशीला गुप्ता ने नामांकन दाखिल किया था। दोनों प्रत्याशियों की ओर से पार्टी और संगठन के निर्देश पर नामांकन भरने की बात कही गई थी। बुधवार को भाजपा के सह संगठन प्रभारी ने करीब 2:30 बजे निर्वाचन अधिकारी को पार्टी का सिंबल बंद लिफाफे में सौंप दिया, लेकिन अधिकृत प्रत्याशी के नाम का खुलासा नहीं किया गया। इसके बाद पूरे दिन भाजपा प्रत्याशी को लेकर अटकलों का दौर चलता रहा। शाम करीब 3 बजे निर्वाचन विभाग ने सूचना बोर्ड पर सभापति पद के लिए भाजपा के दो और कांग्रेस के एक नामांकन की जानकारी चस्पा की। गुरुवार को नामांकन पत्रों की जांच के दौरान निर्वाचन अधिकारी के सामने बंद लिफाफा खोला गया। इसमें सुशीला गुप्ता का नाम होने के बाद उन्हें भाजपा का अधिकृत प्रत्याशी घोषित कर दिया गया। पार्टी का सिंबल नहीं मिलने के कारण प्रभु पंड्या निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में रह गए।

भाजपा के 24 पार्षद, बागी निर्दलीय का भी समर्थन

डूंगरपुर नगर परिषद में कुल 40 वार्ड हैं। इनमें भाजपा ने दो वार्डों में निर्विरोध सहित कुल 24 वार्डों में जीत दर्ज की है। इसके अलावा वार्ड 31 से भाजपा से बगावत कर निर्दलीय चुनाव जीतने वाले सुनील जैन ने भी भाजपा को समर्थन दिया है। ऐसे में सभापति पद के चुनाव के लिए भाजपा के पास पर्याप्त संख्या बल मौजूद है।

लघु कलाकृतियों के विमोचन के साथ मनाया प्रधानमंत्री का जन्मोत्सव

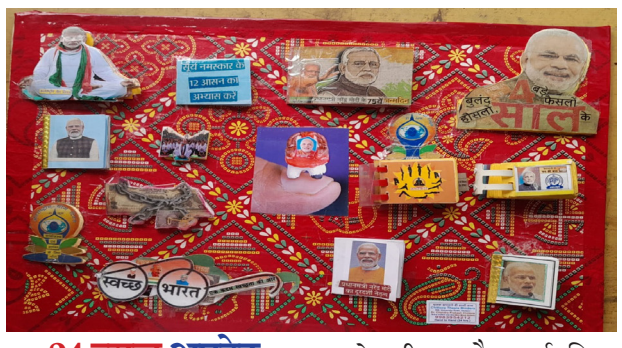

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। श्रीमेवाड़ सगसजी लोकसेवा संस्थान परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष कुंवरविजय सिंह कच्छवाहा ने डॉ. चंद्रप्रकाश चित्तौड़ा द्वारा प्रधानमंत्री के जीवन पर तैयार की गई विभिन्न लघु कलाकृतियों का विमोचन किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की जीवनी पर आधारित 76 फीट लंबी लघु पट्टिका का भी प्रदर्शन किया गया, जिस पर उनके जीवन और सार्वजनिक कार्यों से जुड़े प्रसंगों को उकेरा गया है। इसके अलावा 'मन की बात, नोटबंदी, स्वच्छ भारत अभियान, दूरदर्शी नेतृत्व, सिंहासन और साहसिक निर्णयों सहित विभिन्न विषयों पर निर्मित कलाकृतियों का विमोचन किया गया। कुंवरविजय सिंह कच्छवाहा ने कहा कि इन कलाकृतियों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन, कार्यशैली और देश के प्रति उनके योगदान को रेखांकित करने का प्रयास किया गया है। यह जानकारी संस्थान के अध्यक्ष कुंवरविजय सिंह कच्छवाहा ने दी।

उदयपुर की झीलों के लिए आई बड़ी खुशखबरी, देवास प्रथम और द्वितीय के गेट खोले गए

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। झीलों की नगरी के लिए आज शाम एक राहत भरी खबर आई है। शहर की झीलों को भरने के लिए देवास प्रथम और द्वितीय परियोजना के गेट खोल दिए गए हैं और पानी ने उदयपुर की ओर अपनी यात्रा शुरू कर दी है।

आज दिनांक 17 सितम्बर 2026 को शाम 5:30 बजे देवास प्रथम (अलसीगढ़ बाँध) और देवास द्वितीय (मादड़ी बाँध) के साथ ही अकोड़दा बाँध के गेट खोलकर झील प्रणाली में पानी छोड़ा गया।

जानकारी के अनुसार देवास प्रथम से 35.25 MCFT, देवास द्वितीय (मादड़ी बाँध) से 9.85 MCFT और अकोड़दा बाँध से 3.77 MCFT पानी छोड़ा गया है। इस प्रकार कुल 48.87 MCFT पानी उदयपुर की झील प्रणाली में लाया जा रहा है।

जल प्रवाह के लिए मादड़ी बाँध और देवास प्रथम के गेट 2 फीट 6 इंच तक खोले गए हैं। दोनों बाँधों से लगभग 750 क्यूसेक की गति से पानी प्रवाहित हो रहा है, जो सीसारमा नदी होते हुए पिछोला-स्वरूपसागर झील में पहुँचेगा।

इस जल आवक के बाद पिछोला-स्वरूपसागर का गेज बढ़कर लगभग 8 फीट 4 इंच तक पहुँचने की संभावना है। इस पानी से न केवल झीलों के जलस्तर में बढ़ोतरी होगी, बल्कि शहर की पेयजल व्यवस्था भी लंबे समय तक सुदृढ़ बनी रहेगी।

भीलवाड़ा में BJP की जसवंत कंवर निर्विरोध महापौर बनेंगी

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। नगर निगम में महापौर पद पर भाजपा की जसवंत कंवर का निर्विरोध चुना जाना तय हो गया है। उनके सामने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल करने वाली संतोष कंवर को भाजपा ने अपने पक्ष में मना लिया है। संतोष के नामांकन वापस लेने के बाद जसवंत कंवर के सामने कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं रहेगा। जसवंत कंवर वार्ड-9 से 2165 वोट के अंतर से जीतकर पार्षद बनी हैं। वहीं संतोष कंवर वार्ड-10 से निर्दलीय चुनाव जीती थीं। उन्होंने भाजपा की सविता जोशी को 699 वोट से हराया था। संतोष को 1165 और सविता को 466 वोट मिले थे।

पंचायती राज चुनावों के लिए आरक्षण लॉटरी 23 एवं 24 को

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 सितम्बर। राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं के आगामी चुनावों को लेकर राज्य सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राजविभाग ने प्रदेश में जिला और उपखण्ड स्तर पर होने वाली सीटों की आरक्षण लॉटरी की तारीखों का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों के क्रम में राज्य सरकार आगामी 15 नवंबर 2026 तक पंचायती राज संस्थाओं की पूरी चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। शासन सचिव एवं आयुक्त डॉ. जोगा राम द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, जिला परिषद के जिला प्रमुख पदों के लिए आरक्षण का निर्धारण पहले ही 13 अगस्त 2026 को पूरा किया जा चुका है। अब इसी क्रम में आगामी 23 सितंबर 2026 को जिला स्तर पर जिला परिषद सदस्य, प्रधान एवं पंचायत समिति सदस्यों के पदों के लिए आरक्षण की लॉटरी निकाली जाएगी। इसके ठीक अगले दिन, यानी 24 सितंबर 2026 को उपखण्ड स्तर पर सरपंच और वार्ड पंच के पदों के लिए आरक्षण की लॉटरी प्रक्रिया पूरी की जाएगी ।इस संबंध में विभाग ने राज्य के समस्त जिला कलेक्टर्स और उपखण्ड अधिकारियों को समय पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

संविदाकर्मियों/एस.एफ.ए.बी. कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार 24 सितंबर 2026 तक के लिए स्थगित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 17 सितम्बर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय कर्मचारी संगठन (संविदा/एस.एफ.ए.बी.) ने आज चौथे दिन विश्वविद्यालय प्रशासन से वार्ता के बाद 24 सितंबर तक के लिए कार्य बहिष्कार को स्थगित कर दिया है।

यह जानकारी देते हुए संगठन के अध्यक्ष श्री नारायण लाल सालवी ने बताया कि कार्य बहिष्कार के चौथे दिन विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा वार्ता की गई और प्रशासन के इस आश्वासन पर कि आगामी 24 सितंबर को बीओएम (BOM) का आयोजन किया जा रहा है, उसमें संविदाकर्मियों/एस.एफ.ए.बी. कर्मचारियों के मुद्दे को रखकर इसका उचित समाधान निकाला जायेगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन के इस आग्रह पर संगठन ने मंथन किया और छात्र हित में बीओएम होने तक कार्य बहिष्कार को स्थगित करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही संगठन ने यह चेतावनी भी दी कि अगर संविदाकर्मियों/एस.एफ.ए.बी. कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान बीओएम में भी नहीं होता है, तो 24 सितंबर से ही फिर से बेमियादी कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

जरूरतमंदों के लिए आगे आए विधि के विद्यार्थी, सुखाड़िया विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जरूरत के समय किसी मरीज के काम आ सके, इसी उद्देश्य के साथ मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विधि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया और स्वेच्छा से रक्तदान कर सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। रक्तदान करने वाले विद्यार्थियों में करण सिंह मोजावत, मयंक सिंह सांखला, संजय आचार्य, रुद्रदेव साहू, भरत मेघवाल, निखिल सुखवाल और याया बोहरा शामिल रहे। विद्यार्थियों ने कहा कि रक्तदान महज सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला कार्य है। युवाओं से आगे आने की अपील शिविर के दौरान विद्यार्थियों में रक्तदान को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। छात्रों ने कहा कि युवा वर्ग को रक्तदान के प्रति स्वयं जागरूक होने के साथ समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। विद्यार्थियों के अनुसार अस्पतालों में कई बार मरीजों और उनके परिजनों को समय पर रक्त की जरूरत पड़ती है। ऐसे में नियमित रक्तदान की आदत जरूरतमंदों के लिए मददगार साबित हो सकती है। महाविद्यालय में आयोजित इस पहल ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़ने का अवसर दिया। छात्रों ने भविष्य में भी सेवा से जुड़े ऐसे आयोजनों में भागीदारी जारी रखने की बात कही।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।